भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1949

दिनांक 31 जुलाई, 2025 को उत्तरार्थ

.....

यमुना नदी की सफाई में प्रगति

1949. श्री सप्तगिरी शंकर उलाकाः

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में पल्ला, निजामुद्दीन सेतु और ओखला बैराज पर यमुना नदी की जल गुणवत्ता की स्थिति जनवरी, 2025 से प्रत्येक माह दर्ज की गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन आंकड़ों की तुलना स्नान योग्य पानी के आधारभूत मानकों से कैसे की जाती है;

(ख) नदी में प्रवेश करने वाले अनुपचारित घरेलू सीवेज और औद्योगिक अपशिष्ट की जनवरी, 2025 से मासिक मात्रा कितनी है और अब तक इसमें कितनी कमी आई है;

(ग) पूर्ण हो चुके, निर्माणाधीन या लंबित सीवरेज-अवसंरचना कार्यों का ब्यौरा क्या है, साथ ही उनकी क्षमता और चालू करने की निर्धारित तिथियां क्या है;

(घ) यमुना कार्य योजना घटकों के अंतर्गत जनवरी, 2025 से स्वीकृत, जारी और उपयोग की गई कुल निधि कितनी है;

(ङ) क्या निर्वहन मानदंडों का पालन न करने पर अभिकरणों या उद्योगों पर कोई शास्ति लगाई गई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) यमुना के दिल्ली क्षेत्र में श्रेणी-बी स्नान मानकों को प्राप्त करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है और जवाबदेही लागू करने के लिए क्या निगरानी अपनाई गई है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

(श्री राज भूषण चौधरी)

(क): दिल्ली में पल्ला, निज़ामुद्दीन ब्रिज और ओखला बैराज पर यमुना नदी की जल गुणवत्ता की निगरानी राष्ट्रीय जल गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम (एनडब्ल्यूएमपी) के अंतर्गत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा मासिक रूप से की जा रही है। जनवरी 2025 से, बीओडी, डीओ और फेकल कोलीफॉर्म (एफसी) जैसे मापदंडों के आँकड़े **अनुलग्नक- I** में दिया गया हैं।

(ख) और (ङ): दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार, दिल्ली में अनुमानित सीवेज उत्पादन 3,596 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) है। डीजेबी के 37 संचालित सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) की कुल स्थापित क्षमता 3,474 एमएलडी है। जून 2025 तक, इन एसटीपी की क्षमता उपयोग 2,955 एमएलडी थी, जिसमें से 23 एसटीपी से 2,014 एमएलडी उपचारित सीवेज दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) द्वारा निर्धारित निर्वहन मानकों का अनुपालन करता है और 14 एसटीपी

डीपीसीसी मानदंडों का अनुपालन नहीं करते हैं। इसके अलावा, लगभग 641 एमएलडी सीवेज अनुपचारित रहता है और नदी या जल निकासी नेटवर्क में प्रवेश करता है, जिससे यमुना में प्रदूषण बढ़ता है।

इसके अतिरिक्त, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यमुना नदी बेसिन में संचालित अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों (जीपीआई) का वार्षिक निरीक्षण करता है, जिनके यमुना और उसकी सहायक नदियों में डिस्चार्ज की संभावना होती है। ये निरीक्षण आईआईटी, एनआईटी जैसे तकनीकी संस्थानों और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी)/राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एसपीसीबी)/प्रदूषण नियंत्रण समितियों (पीसीसी) के अधिकारियों की संयुक्त दलों द्वारा किए जाते हैं।

सीपीसीबी द्वारा वर्ष 2024 में किए गए अंतिम निरीक्षण के दौरान, यमुना नदी के मुख्य भाग में स्थित कुल 189 जीपीआई का निरीक्षण किया गया था। ऐसा अनुमान लगाया गया था कि ये जीपीआई लगभग 1.33 एमएलडी उपचारित अपशिष्ट डिस्चार्ज करते हैं, जिसका बीओडी के संदर्भ में प्रदूषण भार 0.046 टीपीडी है।

निरीक्षण किए गए 189 जीपीआई में से 158 कार्यात्मक पाए गए, जबकि 31 स्वतः बंद हो गए। 158 कार्यात्मक जीपीआई में से 49 डिस्चार्ज मानदंडों का पालन न करते हुए पाए गए या उनके पास संचालन हेतु वैध सहमति नहीं थी। इन 49 गैर-अनुपालन वाले जीपीआई को संबंधित एसपीसीबी/पीसीसी द्वारा निर्देश जारी किए गए, जिनमें 40 कारण बताओ नोटिस और 9 बंद करने के निर्देश शामिल थे।

(ग): यमुना नदी के पुनरुद्धार हेतु नमामि गंगे कार्यक्रम (एनजीपी) के अंतर्गत 1,951 करोड़ रूपए की लागत से 1,268 एमएलडी सीवरेज उपचार क्षमता के सृजन हेतु 9 परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। ये सभी परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं। इन परियोजनाओं की सूची **अनुलग्नक-II** में दी गई है।

(घ): जनवरी, 2025 से यमुना की सफाई के लिए एनएमसीजी और दिल्ली सरकार द्वारा कुल 140 करोड़ रुपये की कुल निधि आवंटित की गई हैं; जिसमें से 108.31 करोड़ रुपये का उपयोग किया जा चुका है।

(च): नदी की सफाई एक सतत प्रक्रिया है और यह मंत्रालय उत्तर प्रदेश के अलावा हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली को वित्तीय सहायता प्रदान करके यमुना नदी के बढ़ते प्रदूषण स्तर को रोकने के लिए राज्यों के प्रयासों को संपूरित कर रहा है। यमुना नदी के पुनरुद्धार के उद्देश्य से विभिन्न परियोजनाएँ नियोजन/निर्माण/पूर्णता के विभिन्न चरणों में हैं और इन्हें समय पर पूरा करने के लिए विभिन्न स्तरों पर गहन निगरानी सुनिश्चित की जा रही है।

*****

अनुलग्नक-I

"यमुना नदी की सफाई में प्रगति" के संबंध में दिनांक 31.07.2025 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय अतारांकित प्रश्न संख्या 1949 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

वर्ष 2025 में दिल्ली में एनडब्ल्यूएमपी के तहत निगरानी की गई यमुना नदी की जल गुणवत्ता का डेटा तालिका में दिया गया है:

क्र.सं.	निगरानी स्थान का नाम	नमूनाकरण माह	घुलित ऑक्सीजन (मिलीग्राम/लीटर)	पीएच	बीओडी (मिलीग्राम/लीटर)	फेकल कोलीफॉर्म (एमपीएन/100 मिली)
प्राथमिक जल गुणवत्ता मानदंड			**> 5मिग्रा/लीटर**	**6.5-8.5**	**< 3 मिलीग्राम/लीटर**	**< 2500 एमपीएन/ 100 मिलीलीटर**
1	**पल्ला दिल्ली में यमुना नदी**	जनवरी	6	7.23	3	950
		फ़रवरी	6	7.42	6	1300
		अप्रैल	5.4	7.9	4	2200
		मई	9.8	8.4	4	1700
		जून	9.2	8.42	5	2100
2	**निज़ामुद्दीन, दिल्ली में यमुना नदी**	जनवरी	0.3(बीडीएल)	7.46	39	460000
		फ़रवरी	0.3(बीडीएल)	7.28	52	540000
		मार्च		7.8	48	ना
		अप्रैल	0.3(बीडीएल)	7.2	38	79000
		मई	0.3(बीडीएल)	6.9	37	240000
		जून	0.3(बीडीएल)	7.53	40	790000
3	**ओखला बैराज डी/एस पर यमुना नदी**	जनवरी	0.3(बीडीएल)	7.11	50	410000
		फ़रवरी	0.3(बीडीएल)	7.49	39	920000
		मार्च		7.4	50	140000
		अप्रैल	0.3(बीडीएल)	7.4	46	130000
		मई	0.3(बीडीएल)	7	23	330000
		जून	0.3(बीडीएल)	7.52	30	110000
4	**असगरपुर में यमुना नदी (शाहदरा नाले और तुगलकाबाद नाले के संगम के बाद)**	जनवरी	0.3(बीडीएल)	7.74	64	7900000
		फ़रवरी	0.3(बीडीएल)	7.3	72	16000000
		मार्च	0.3(बीडीएल)	7.4	70	1300000
		अप्रैल	0.3(बीडीएल)	7.1	56	1500000
		मई	0.3(बीडीएल)	7.1	38	2300000
		जून	0.3(बीडीएल)	7.57	44	2400000

अनुलग्नक -II

"यमुना नदी की सफाई में प्रगति" के संबंध में दिनांक 31.07.2025 को लोक सभा में उत्तर के लिए देय अतारांकित प्रश्न संख्या 1949 के भाग (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-दिल्ली में नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र.सं	परियोजना का नाम	उपचार क्षमता (एमएलडी)	स्वीकृत लागत (करोड़ रुपये में)	स्थिति
क. दिल्ली				
1	ट्रंक सीवर संख्या 4 का पुनर्स्थापना	-	87.43	पूरा हुआ
2	ट्रंक सीवर संख्या 5 का पुनर्स्थापना	-	83.4	पूरा हुआ
3	कोंडली चरण-I एसटीपी (45 एमएलडी), चरण-II एसटीपी (114 एमएलडी) और चरण-III एसटीपी (45 एमएलडी) का पुनर्स्थापना और उन्नयन	204	239.11	पूरा हुआ
4	राइजिंग मेन्स का पुनर्स्थापना	-	59.13	पूरा हुआ
5	ट्रंक सीवरों का पुनर्स्थापना	-	43.92	पूरा हुआ
6	राइजिंग मेन का पुनर्स्थापना	-	45.4	पूरा हुआ
7	चरण-I एसटीपी का पुनर्स्थापना और उन्नयन	182	211.79	पूरा हुआ
8	564 एमएलडी (124 एमजीडी) अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र (डब्ल्यूडब्ल्यूटीपी) का निर्माण	564	665.78	पूरा हुआ
9	दिल्ली के कोरोनेशन पिलर पर 318 एमएलडी (70 एमजीडी) का निर्माण	318	515.07	पूरा हुआ
कुल योग		**1,268**	**1,951.03**	

*****